**कृपया प्रकाशनार्थ** **16 फरवरी 2009**

# वित्तिय संकटों का सामना करने की कांग्रेस की इच्छा ही नहीं : राम नाईक

**मुंबई, सोमवार :** "वित्तिय संकटों का सामना करने की कोशिश करने के बजाय संसदीय परंपराओं का उल्लंघन करते हुए इस सरकार का आखरी बजट वित्त मंत्री श्री. प्रणब मुखर्जी ने पेश किया है," ऐसी आलोचना पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने की. साथ ही साथ बजट के दिन भी पेट्रोल, डिजल या रसोई गैस के दाम कम करने के बजाय फिर एक बार हवाई इंधन कम हुआ इसलिए श्री. राम नाईक ने आपत्ती जतायी.

युपीए सरकार की बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए श्री. राम नाईक ने आगे कहा, "वैसे तो अंतरिम बजट में कोई भी नयी घोषणा न करने की संसदीय परंपरा हैं. फिर भी जल्द ही आनेवाले चुनावों के मद्देनजर विधवाओं के लिए तथा विकलांगों के लिए निवृत्ती वेतन की घोषणा वित्त मंत्री ने की. यह बात संसदीय परंपरा केअनुसार नहीं है. दुसरी ओर बजट के दिन पर ही अमिरों को खुश करने के लिए हवाई इंधन को सस्ता किया गया है. हवाई इंधन गाडियों को लगनेवाले पेट्रोल से रु. 14.57 सस्ता याने प्रति लिटर केवल रु. 29.98 सें मिलेगा. इस बात का भाजपा निषेध करती हैं. वित्तीय संकटों का सामना करने की अपनी जिम्मोदारी वित्त मंत्री ने खुद ही अगली सरकार को सोंप दी है. यह बडे ही दुर्भाग्य की बात है. पिछले बजट के वक्त राष्ट्रीय विकास दर दस से भी अधिक करने की बात करनेवाली कांग्रेस सरकार अपना लक्ष्य हासिल करने में नाकामयाब हुई है. विकास दर सिर्फ 7.1 है. वैसे तो महंगाई निर्देशांक 4.4 % घटा मगर यह बात याद रखनी होगी कि निर्देशांक ठोक मूल्यों पर आधारित हैं. वास्तव में जीवनावश्यक वस्तूओं के दाम कम होने के बजाए महंगाई कई गुना बढी है. "

"चुनावों को सामने रखकर लुभावना चित्र पेश करने की वित्त मंत्री की कोशिश पूरी तरह नाकामयाब हुई है," ऐसा भी श्री. नाईक ने कहा.

**(कार्यालय मंत्री)**